कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड

(भारत सरकार का उपक्रम)

निगम सामाजिक दायित्व कार्य

कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड, निगम सामाजिक दायित्व नीति का बल स्पष्ट रूप से क्षमता निर्माण, समुदायों का सशक्तिकरण, सामाजिक-आर्थिक विकास का समावेश, पर्यावरण संरक्षण, हरित और ऊर्जा कुशल प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने, पिछड़े क्षेत्रों के विकास और समाज के वंचित वर्गों का उत्थान करने पर है। इसके लिए निम्नलिखित क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है: -

1. स्थायी रूप से आय सृजन और आजीविका के लिए कौशल विकास।
2. साक्षरता/शिक्षा।
3. सुरक्षित पेयजल, स्वास्थ्य देखभाल और स्वच्छता।
4. कृषि और बुनियादी संरचनाओं का विकास।
5. प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष, पीएम-केर्स या केंद्र सरकार द्वारा स्थापित किसी अन्य कोष में योगदान।

कोंकण रेल अपने निगम सामाजिक दायित्व के तहत निधि आबंटित करके बेहतर आजीविका के अवसर सुनिश्चित करने के लिए व्यावसायिक और तकनीकी कौशल के साथ देश के युवाओं को सशक्त बनाने में अपना योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है। चयनित महत्वाकांक्षी जिलों में सीएसआर पहल भी शुरू की गई है। सीएसआर के तहत विभिन्न गतिविधियों को वित्तीय सहायता दी जा रहा है जैसे रामकृष्ण हेगड़े कौशल विकास केंद्र, उडुपि का निर्माण और विकास, जम्मू-कश्मीर में विकास कार्य, ग्रामीण क्षेत्रों में स्कूली बच्चों को कंप्यूटर में शिक्षा प्रदान करना, स्थानीय युवाओं को सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षण और उन्हें रोजगार योग्य बनाना आदि।

कोंकण रेल द्वारा सीएसआर पहल के रूप में रामकृष्ण हेगड़े कौशल विकास केंद्र (आरएचएसडीसी), उडुपि को स्थापित किया गया है। वर्तमान में, संस्थान के तल मंजिल का निर्माण कार्य किया गया है। आरएचएसडीसी स्थानीय युवाओं की रोजगार क्षमता बढ़ाने में मदद करेगा और भारत सरकार के एक प्रमुख कार्यक्रम "मेक इन इंडिया" और स्किल इंडिया के उद्देश्य को साकार करने में मदद करेगा।

कोंकण रेल की सीएसआर पहल का मुख्य उद्देश्य स्थानीय जनता पर आर्थिक, पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभाव डालना और राष्ट्र निर्माण में हाथ बंटाना है। अपनी सीएसआर पहल के साथ, कोंकण रेल आरएचएसडीसी, उडुपि में कौशल उन्नयन करते हुए स्थानीय युवाओं की रोजगार क्षमता भी बढ़ा रहा है। इसके अलावा आकांक्षात्मक जिले और विकास कार्यों के माध्यम से, कोंकण रेल पर्यावरणीय स्थिरता सुनिश्चित कर रहा है, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और स्वच्छता को बढ़ावा दे रहा है।

* * * * * *